SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

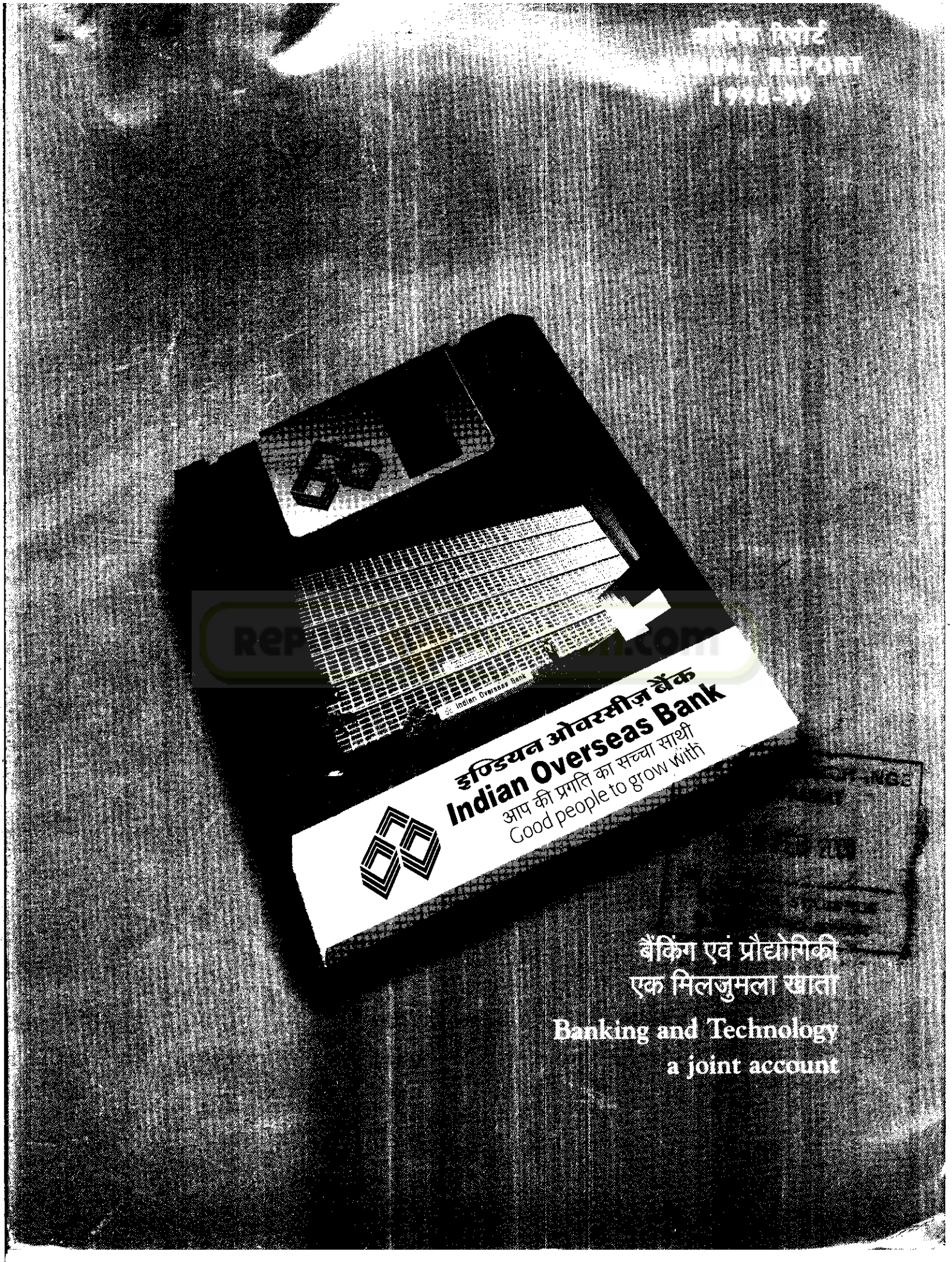

www.reportjunction.com

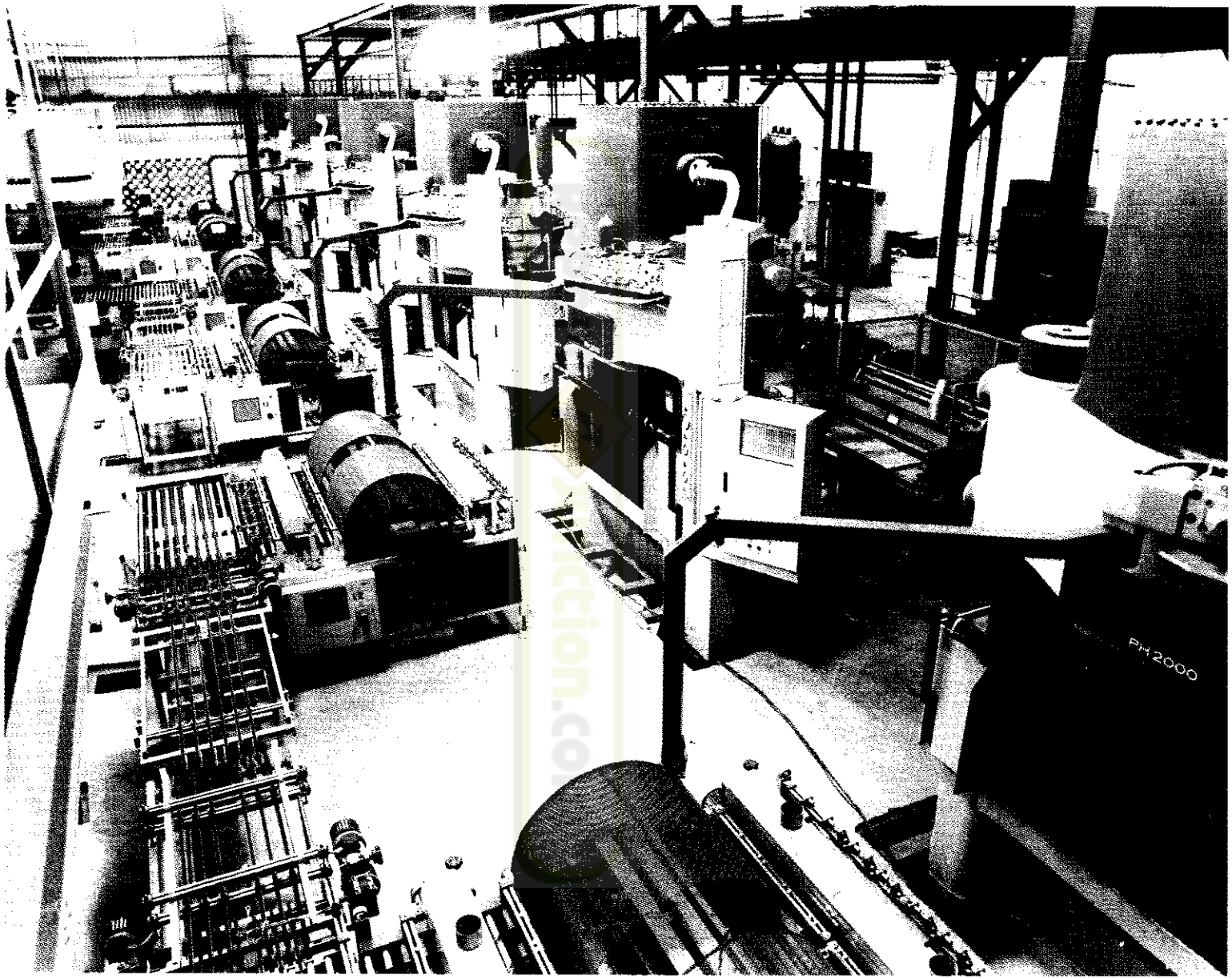

बैंक वित्त-पोषण से सिरामिक उद्योग में और चमक

More gloss to ceramic units with Bank's finance

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

इण्डियन
ओवरसीज़
बैंक
(भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्व में)

Indian Overseas Bank
(Wholly owned by Government of India)

केन्द्रीय कार्यालय :
763, अण्णा सालइ, चेन्नइ 600 002.

Central Office :
763, Anna Salai, Chennai 600 002.

टेलेक्स Telex : 041-7374, 041-6123
केबिल्स Cables : INDOSEAS, INDFOREX - Chennai
दूरभाष Telephone : 8524337, 8520570
इंटरनेट Internet : http://www.iob.com

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

विषय - सूची
CONTENTS

निदेशकों की रिपोर्ट
Directors' Report 5

लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट
Auditors' Report 34

तुलन-पत्र
Balance Sheet 38

लाभ व हानि लेखा
Profit & Loss Account 39

अनुसूचियाँ
Schedules 40

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मंडल
BOARD OF DIRECTORS

श्री. के. सुब्रहमण्यन
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
Shri. **K. SUBRAMANIAN**
Chairman & Managing Director

श्री. आर.वी. शास्त्री
कार्यपालक निदेशक
Shri. **R.V. SHASTRI**
Executive Director

सुश्री. पी. बोलीना
Ms. **P. BOLINA**

श्रीमती उषा थोराट
Smt. **USHA THORAT**

श्री एम.आर. गोपीनाथ राव
Shri. **M.R. GOPINATHA RAO**

श्री के. नागप्पन
Shri. **K. NAGAPPAN**

श्री अशोक विज
Shri. **ASHOK VIJ**

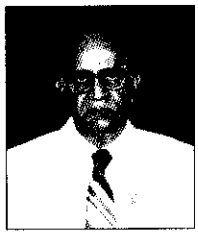

श्री जी. नारायणस्वामी
Shri.**G. NARAYANASWAMY**

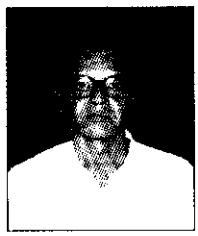

श्री के.सी. पांडा
Shri. **K.C. PANDA**

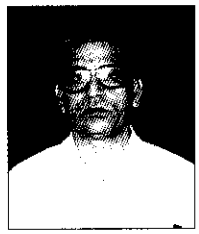

डॉ. वी.आर. पंचमुखी
Dr. **V.R. PANCHAMUKHI**

श्री एस.के. चक्रवर्ती
Shri. **S.K. CHAKRABORTY**

श्रीमती चेन्नुपाटि विद्या
Smt. **CHENNUPATI VIDYA**

श्री एम. वेंकटाचलम
Shri. **M. VENKATACHALAM**

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

मुख्य-मुख्य बातें : मार्च 1999
HIGHLIGHTS : MARCH 1999

	रु. करोड़ में Rs. in Crore
सार्वभौमिक जमा-राशियाँ Global Deposits	21914
घरेलू जमा-राशियाँ Domestic Deposits	21093
सार्वभौमिक अग्रिम Global Advances	10117
घरेलू अग्रिम Domestic Advances	8865
प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम Priority Sector Advances	2951
कृषि उधार Agricultural Credit	1399
लघु उद्योग उधार SSI Credit	1243
निर्यात उधार Export Credit	909
सकल लाभ Gross Profit	143
निवल लाभ Net Profit	55
सार्वभौमिक स्टाफ़ संख्या (अंकों में) Global Staff Strength (Nos.)	28335
भारत में कुल शाखाएँ (अंकों में) Branches in India (Nos.)	1396
विदेशों में कुल शाखाएँ (अंकों में) Branches Abroad (Nos.)	6
पूँजीगत पर्याप्तता अनुपात (%) Capital Adequacy Ratio (%)	10.15

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशकों की रिपोर्ट 1998-99

निदेशक मंडल 31 मार्च 1999 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों सहित बैंक की वार्षिक रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत करता है।

प्रमुख व्यवसाय प्राचलों में बैंक ने अविरल विकास की गति बनाये रखी। विकास का केन्द्र-बिन्दु तकनीकी उन्नयन, प्रणाली तंत्र में सुधार और उत्पाद अभिकल्पन रहा है। बैंक ने अन्य बातों के साथ-साथ, किसी भी शाखा से बैंकिंग और तुरंत अंतरण एवं उगाही सेवाएँ शरू कीं।

आर्थिक परिवेश

अंतर-राष्ट्रीय

वर्ष 1998 में सार्वभौमिक अर्थ-व्यवस्था में 1.8% की वृद्धि हुई। पिछले वर्ष यह वृद्धि दर 3.2% थी। वर्ष 1998 में सार्वभौमिक व्यापार की वृद्धि वर्ष 1997 के 10% से आधा घट कर 4-5% हो गयी। बहरहाल, यूरोप तथा यू एस की प्रमुख औद्योगिक अर्थ व्यवस्थाएँ विकास में आयी इस गिरावट से बहुत अधिक प्रभावित नहीं रहीं। एशिया में चीन और भारत ने दृढ़ता दिखायी। वर्ष 1999 में भू-मण्डलीय अर्थ-व्यवस्था में बेहतर कार्य-संपादन होने की संभावना है।

DIRECTORS' REPORT 1998-99

The Board of Directors has pleasure in presenting the Bank's Annual Report together with the Audited Annual Accounts for the year ended March 31, 1999.

The Bank continued to record sustained growth in key business parameters. The focus was on technological advancement, systems improvement and product formulation: the Bank introduced, among others, Any Branch Banking and Speedy Transfer And Realisation Services.

ECONOMIC ENVIRONMENT

INTERNATIONAL

Global economy grew by 1.8% in 1998. The growth rate during the preceding year was 3.2%. Global trade growth halved to 4 - 5% in 1998 from 10% in 1997. Major industrial economies of Europe and the US, however, were not affected very much by the overall slowdown. In Asia, China and India had shown resilience. In 1999, the global economy is expected to show improved performance.

Report Junction.com

विश्व बैंक पदाधिकारी के साथ बैंक का शीर्षस्थ प्रबन्धन-वर्ग
Top Management of the Bank with World Bank Official

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

अंतर-राष्ट्रीय वित्तीय बाज़ार में प्रवेश होने के प्रथम तीन महीनों में ''यूरो'' के बाह्य मूल्य में व्यापक उतार-चढ़ाव दिखाई पड़ा। यूरोपीय एकीकरण से यह अपेक्षा थी कि विश्व की अर्थ-व्यवस्था पर इसका गहरा असर पड़ेगा।

जिन केन्द्रों में बैंक की शाखाएँ हैं, उनमें आर्थिक दृश्य-पटल इस प्रकार है :

हांगकांग

मुद्रा-स्फीति अधोमुखी रही। वर्ष 1974 के तेल-संकट के बाद पहली बार उपभोक्ता-व्यय में कमी आयी। वर्ष 1998-99 में हांगकांग की जी डी पी में यद्यपि 5.3% की कमी की सूचना मिली है, फिर भी वर्ष 1999-2000 में इसमें 0.5% की वृद्धि की भविष्यवाणी की गयी है।

सिंगापुर

1998 में अर्थ-व्यवस्था में 1.5% की वृद्धि हुई और 1999 के लिए 1.0% वृद्धि की भविष्यवाणी थी। वर्ष 1999 में उपभोक्ता कीमतों में 0.5% की वृद्धि की संभावना है। सिंगापुर व्यापार विकास बोर्ड ने इस वर्ष के व्यापार में 5% से 7% तक कमी होने की भविष्यवाणी की है।

The EURO witnessed wide-ranging movements in its external value in the three months of its entry into the international financial markets. The European integration was expected to have deeper impact on the world economy.

The economic scenario in centres where the Bank has branches is as under:

HONG KONG

Inflation was on downtrend. Consumer spending was down for the first time since 1974 Oil Crisis. Though decline was reported in GDP of Hong Kong at 5.3% in 1998 -99, it is forecast to rise by 0.5% in 1999-2000.

SINGAPORE

Economy grew by 1.5% in 1998 and the forecast for 1999 stood at 1.0%. Consumer prices are likely to increase by 0.5% in 1999. Singapore Trade Development Board forecasts a contraction of 5 to 7% in trade this year.

Report Junction.com

अन्तर-राष्ट्रीय ऐक्यः हुन्डाई के अध्यक्ष का स्वागत करते हुए हमारे अ.व.प्र.निदे.
International Integration: CMD welcoming Chairman of 'Hyundai'

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

दक्षिण कोरिया

दक्षिण कोरिया ने पिछले वर्ष की 5.8% की गिरावट की तुलना में इस वर्ष 2% की वृद्धि का लक्ष्य रखा है। दिसंबर 1997 की अपनी दुर्बलतम स्थिति की तुलना में दक्षिण कोरिया के वोन ने अपनी 60% शक्ति पुनः प्राप्त कर ली।

श्रीलंका

मुद्रा-स्फीति दर 9.7% पर रोक रखी गयी। बजट घाटा जी डी पी के 7.8% तक सीमित रखा गया। भारित औसत मूल उधार दर 14.2% से बढ़कर 15.3% हो गयी।

राष्ट्रीय

भारतीय अर्थ-व्यवस्था ने अपने समग्रतः निष्पादन में वृद्धि दिखायी। जी डी पी में वास्तविक वृद्धि पिछले वर्ष 5.0% की अपेक्षा 5.8% अनुमानित की गयी थी। कृषि-उत्पादन में पिछले वर्ष के 6.0% की नकारात्मक वृद्धि की तुलना में इस वर्ष 3.9% की सकारात्मक वृद्धि दिखायी पड़ी। वर्ष के प्रथम 11 महीनों में औद्योगिक उत्पादन में 3.9% की वृद्धि हुई। विदेशी व्यापार में भी मन्दी की प्रवृत्ति रही और वर्ष की प्रथम तीन तिमाहियों में आयात 7.1% बढ़ा जब कि निर्यात में 2.9% का नकारात्मक विकास हुआ। मुद्रा की आपूर्ति में 17.8% की वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष के 17.9% से थोड़ी ही कम रही। वर्ष 1998-99 के अंत में बिन्दु-दर-बिन्दु आधार पर थोक मूल्य सूचकांक के अनुसार मुद्रा-स्फीति की दर 5.0% रही।

SOUTH KOREA

South Korea is aiming at a growth of 2% this year against last year's contraction of 5.8%. The South Korean Won has regained 60% of its strength compared to its weakest point in December 1997.

SRI LANKA

Inflation rate was contained at 9.7%. Budget deficit was restricted at 7.8% of GDP. Average weighted Prime Lending Rate rose to 15.3% from 14.2%.

NATIONAL

Indian economy improved its overall performance. Growth of GDP in real terms, estimated at 5.8%, was higher than 5.0% recorded in the previous year. Agricultural production staged a remarkable recovery by posting a positive growth of 3.9% as against a negative growth of 6.0% in the previous year. Industrial production increased by 3.9% during the first eleven months of the year. Foreign trade was also subdued during the year, with imports recording an increase of 7.1% and exports showing a negative growth of 2.9% in the first three-quarters. Money supply registered a growth of 17.8%, which was marginally lower than 17.9% of the previous year. Rate of inflation, in terms of wholesale price index on a point-to-point basis, was moderate at 5.0% as at the end of 1998-99.

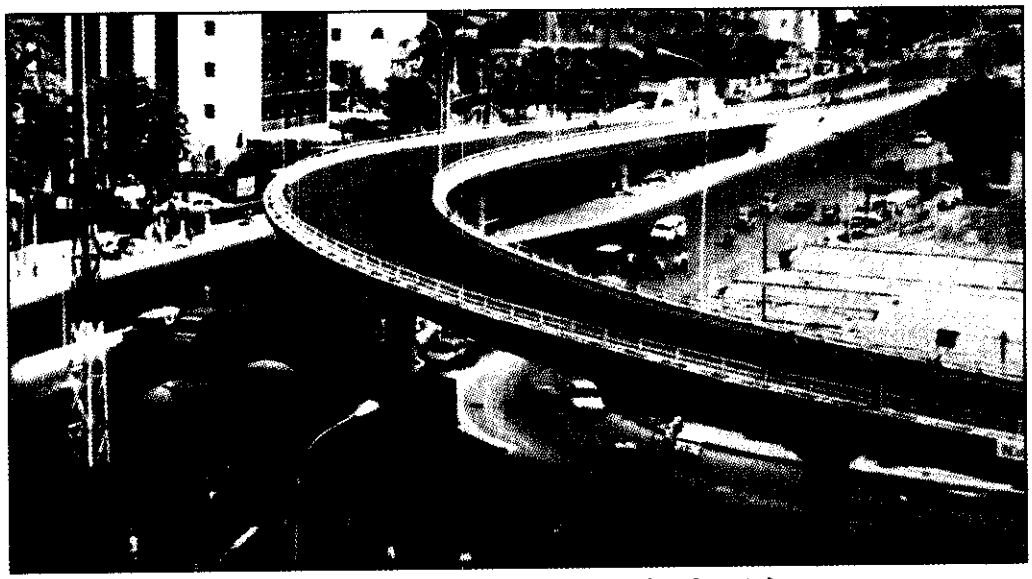

परदेस में सेतु-निर्माण : बैंक के एक ग्राहक द्वारा निष्पादित परियोजना
Building Bridges Abroad : Project executed by Bank's customer

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

बैंकिंग परिवेश

वर्ष 1998-99 की प्रथम छमाही की मौद्रिक एवं उधार-नीति के मुख्य प्रकाश-बिन्दु आर्थिक और वित्तीय क्षेत्रों में किये जा रहे सुधारों के प्रसंग में अनेक संरचनात्मक विषय रहे थे। अल्पकालिक उधार संबंधी उपायों की भी घोषणा की गयी। मार्च 1999 को समाप्त वर्ष के लिए बैंकों को अपनी अनुमोदित प्रतिभूतियों के 70% को चालू निवेश के रूप में वर्गीकृत करने के लिए हिदायत दी गयी।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने जून 1998 में वाणिज्यिक पत्र (सी.पी.) की न्यूनतम अवधि को घटाकर 15 दिन कर दी। सॉटिलाइट डीलरों को सी.पी के निर्गम हेतु अनुमति दी गयी। अगस्त 29, 1998 से प्रारंभ पखवाड़े से सी.आर.आर को 10% से बढ़ाकर 11% कर दिया गया। ''रिपो'' दर भी 5% से बढ़ाकर 8% तक कर दी गयी।

अक्तूबर 30, 1998 को भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा घोषित वर्ष-मध्य मौद्रिक नीति में प्रमुखतः द्वितीय नरसिंहम समिति की अनेक सिफ़ारिशों को चरण-बद्ध रूप से कार्यान्वित करने पर ज़ोर दिया गया। तत्वतः बैंकों के चरण-II में प्रवेश हेतु या आय के अभिज्ञान, आस्ति वर्गीकरण, प्रावधानन तथा पूँजीगत पर्याप्तता मानदंडों के अधिक पुरजोर व्यवस्था-तंत्र में प्रवेश की पृष्ठभूमि तैयार की गयी है।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंक-दर को 9% से घटाकर 8% कर दी, जो मार्च 1, 1999 से प्रभावी है और ''रिपो'' दर को 8% से घटाकर 6% कर दिया जो 3, मार्च 1999 से प्रभावी है। मार्च 13, 1999 से शुरू पखवाड़े से सी आर आर को 11% से घटाकर 10.5% कर दिया गया। बैंकों में आस्ति देयता प्रबंधन (एएलएम) प्रणाली हेतु दिशा-निर्देश ज़ारी किये गये।

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल जमाएँ 27 मार्च 1998 के रु.6,05,410 करोड़ के मुकाबले 26 मार्च 1999 तक बढ़ कर रु.7,17,271 करोड़ हो गयीं। इसी अवधि के दौरान बैंक-उधार रु.3,24,078 करोड़ से बढ़कर रु.3,66,003 करोड़ हो गया।

BANKING ENVIRONMENT

Monetary and credit policy for the first half of 1998-99 focused attention on several structural matters in the context of the ongoing economic and financial sector reforms. Short-term credit policy measures were also announced. For the year ending March 1999, banks were required to classify 70% of their portfolio of approved securities as current investments.

The RBI reduced the minimum period of Commercial Paper (CP) to 15 days in June 1998. Satellite dealers were allowed to issue CP. Effective the fortnight beginning August 29, 1998, CRR was increased from 10% to 11%. The repo rate was hiked from 5% to 8%.

The mid-year monetary policy announced by the Reserve Bank of India on October 30, 1998 mainly sought to implement, in a phased manner, many of the important recommendations of Narasimham Committee II. In essence, a ground has been prepared for banks' entry into Phase II or the more vigorous regime of the Income Recognition, Asset Classification, Provisioning and Capital Adequacy Norms.

The RBI reduced bank rate from 9% to 8% effective March 1, 1999 and repo rate from 8% to 6% effective March 3, 1999. CRR was reduced from 11% to 10.5% effective the fortnight beginning March 13, 1999. Guidelines were issued for Asset Liability Management (ALM) system in banks.

Aggregate deposits of Scheduled Commercial Banks increased from Rs.6,05,410 crore as on March 27, 1998 to Rs.7,17,271 crore as on March 26, 1999. Bank credit went up from Rs.3,24,078 crore to Rs.3,66,003 crore during the same period.

www.reportjunction.com